दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 3)

नियोजित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/19 (N-M)–M–**GS13**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Sunil Kumar Dhanwanta Mobile Number: [redacted]

Medium (English/Hindi): हिन्दी Reg. Number: ***

Center & Date: BATRA 2 18/07/2019 UPSC Roll No. *(If allotted)*: 0815872

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.	3·5	11.	6·5
2.	—	12.	8
3.	3	13.	4·5
4.	4·5	14.	6·5
5.	4·5	15.	7
6.	4·5	16.	6·5
7.	2·5	17.	6·5
8.	2·5	18.	7·5
9.	1	19.	5
10.	2·5	20.	6·5
Grand Total (सकल योग)	93		

[580]

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

Dear Student,

- लगभग सभी प्रश्नों का हल करने का प्रयास सराहनीय है। विषय-वस्तु की समझ अच्छी है। हालांकि Q.N - 3, 7, 8, 9, 10 में सुधार की आवश्यकता है।
- निष्कर्ष व भूमिका को और बेहतर बनायें।
- भाषा शैली अच्छी है।
- संदर्भ दक्षता अच्छी है।
- प्रस्तुतीकरण अच्छा है लेकिन Q.N - 1, 8, 9, 10 में सुधार की आवश्यकता है।
- निरंतर उत्तर-लेखन का अभ्यास जारी रखें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

1. प्राचीन एवं मध्ययुगीन भारत में विद्यमान अधिकांश कला एवं वास्तुकला के अवशेष अभी भी शेष हैं जो कि प्रकृति में धार्मिक हैं। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Most of the art and architectural remains that survive from ancient and medieval India are religious in nature. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्राचीनकाल एवं मध्यकालीन भारत में अनेक कलाओं व वास्तुकलाओं का उद्भव एवं विकास हुआ जिनके अवशेष आज भी हमें प्राप्त होते हैं।

1. प्राचीन भारत

1.1. कलात्मक अवशेष

(i) भीमबेटका की चित्रकला
(ii) सिन्धु सभ्यता की कलाएं
(iii) साहित्यिक कृतियां – वेद, पुराण इत्यादि
\ विदेशी कृतियां

1.2 वास्तुकला अवशेष

(i) सिंधु कालीन नगर व्यवस्था
(ii) अशोक के स्तंभ व स्तूप तथा विहार
(iii) ~~बुद्ध~~ अजंता व एलोरा की गुफाएं
(iv) गुप्तकालीन मन्दिर
(v) सुदर्शन झील, गिरनार अभिलेख, उदयगिरी गुफा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2. मध्यकालीन भारत

2.1 कलात्मक अवशेष

→ जहांगीर की चित्रकला।

→ सूफी संगीत, शास्त्रीय संगीत

कुछ उदा० भी दें। 2.2 वास्तुकला अवशेष

→ अनेक किले, गुंबद, मीनारें

→ अनेक सराय व सड़कें

→ बाजार, तालाब इत्यादि।

इसमें से अधिकांश अवशेष धार्मिक कहे जा सकते हैं परन्तु इसी के साथ-साथ अनेक गैर-धार्मिक प्रकृति के अवशेष भी प्राप्त होते हैं जैसे साहित्य, बाजार, तालाब इत्यादि।

3½

धार्मिक व गैर-धार्मिक प्रकृति के उदाहरणों के अंतरस्पष्ट करते हुए बताएं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. आधुनिक भारत के निर्माण में ईश्वरचंद्र विद्यासागर के योगदान की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the contributions of Ishwar Chandra Vidyasagar in the making of modern India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ईश्वरचन्द्र विद्यासागर कलकत्ता के निवासी थे। इन्होंने सामाजिक सुधार के अनेक क्षेत्रों में अपना प्रमुख योगदान दिया जिसमें स्त्री प्रथा निरोध, विधवा पुनर्विवाह समर्थन, बाल विवाह ~~समर्थन~~ निरोध इत्यादि प्रमुख हैं।

→ ये जाति प्रथा के विरोधी थे तथा अस्पृश्यता को कलंक मानते थे।

→ इन्होंने विधवाओं की दुर्दशा में सुधार के लिए विधवा पुनर्विवाह का पुरजोर समर्थन किया तथा इसका प्रचार-प्रसार भी किया। ब्रिटिश सरकार पर दबाव डालकर ये विधवा पुनर्विवाह अधिनियम, 1856 को पारित कराने में सफल रहे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अन्य योगदान
- बहुविवाह का विरोध
- स्वदेशी संस्कृति को प्रोत्साहन
- बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन / बेथून स्कूल

→ इसी के साथ ये बाल विवाह के भी घोर विरोधी थे तथा केशव चन्द्र सेन का इस कार्य के लिए सहयोग किया

→ सती प्रथा को महिलाओं के खिलाफ मानते हुए उसका विरोध किया तथा राजाराम मोहनराय को अपना सहयोग एवं समर्थन किया।

इस प्रकार स्पष्ट है कि ईश्वर चन्द्र विद्यासागर भारतीय पुनर्जागरण काल के अग्रदूतों में से एक थे।

3

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के निर्माण को स्पष्ट कीजिये। बंगाल की खाड़ी चक्रवातों के लिये अधिक प्रवण क्यों है? विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the formation of tropical cyclones. Discuss why the Bay of Bengal is more prone to cyclones? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का निर्माण कुछ निश्चित परिस्थितियों के परिणामस्वरूप होता है -

(i) समुद्री सतह का तापमान 27°C (लगभग)।

(ii) कोरियोलिस बल की उपस्थिति।

(iii) केन्द्र में वायु का अवरोहण।

(iv) व्यापारिक पवनों का धरातल पर हवाओं का अभिसरण व वायुमंडल में अपसरण

निर्माण क्रिया

(i) सर्वप्रथम केन्द्र (Vortex) के निर्माण के कारण बाहर से हवाओं का आगमन केन्द्र की ओर होता है — आँख का निर्माण

(ii) वाष्पीकरण के बाद संघनन होने के कारण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ऊष्मा की प्राप्ति → चक्रवात की तीव्रता में वृद्धि

→ धीरे-धीरे पूर्ण विकास व अक्षु भित्ति के विकास के कारण मूसलाधार वर्षा

→ भूमि पर जाने पर चक्रवात का नाश

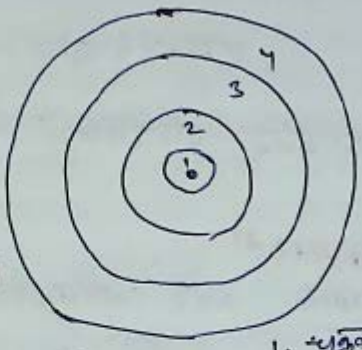

1. चक्रवात की आंख
2. अक्षु भित्ति
3. वर्षा पेटी
4. अवरोहण पेटी

बंगाल की खाड़ी में उपयुक्त तत्व

(i) तापमान का अपेक्षाकृत ज्यादा होना था। (28°C)

(ii) स्थल भागों की उपस्थिति → महाद्वीपीय प्रभाव

(iii) नदियों के जल के कारण पानी की परतों में ताप मिश्रण का अभाव

4½

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भारत जैसे देश में विभिन्न समय-क्षेत्रों (टाइम ज़ोन) का मुद्दा सामने आता रहता है। इस संदर्भ में भारत के विभिन्न समय-क्षेत्रों की व्यवहार्यता का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

The issue of multiple time-zones for a country like India keeps resurfacing. In this context, examine the feasibility of multiple time zones in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत का मानक समय 82.5° देशांतर द्वारा निर्धारित किया जाता है। भारत के विशाल देशांतरीय विस्तार के कारण इसके पूर्वी भाग व पश्चिमी भाग में 2 घण्टे का समयांतर पाया जाता है। इसलिए दो समय क्षेत्रों की माँग की जा रही है।

माँग के पक्ष में तर्क

→ अतिरिक्त बिजली के खर्च में कमी → ऊर्जा संरक्षण।

→ शरीर की जैविक घड़ी पर सकारात्मक प्रभाव

→ कर्मचारियों की कार्यकुशलता में वृद्धि

• महिला सुरक्षा
• सड़क दुर्घटना में कमी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मांग के विपक्ष में तर्क

(i) रेलों के समय में गड़बड़ी के कारण दुर्घटना की आशंकाएँ।

(ii) अलग टाइम जोन से कारण अलगाववाद की भावना को बढ़ावा मिल सकता है → भारत की एकता व अखंडता पर जोखिम।

इसीलिए हाल ही में टाइमजोन पर गठित पैनल ने दो टाइम जोन की मांग को नकार दिया है।

4½

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. सूखे तथा बाढ़ की दोहरी समस्या का समाधान नदियों को जोड़ना है। सरकार की राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Interlinking of rivers solves the twin problems of drought and flood. Analyse in the context of government's National River Linking Project. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नदियों को जोड़ने का सर्वप्रथम विचार 1962 में आया। राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत देश में एक जलग्रिड बनाने की योजना है।

इसमें देश की उत्तरी नदियों को प्रायद्वीपीय नदियों व आपस में भी इन क्षेत्रों की नदियों को जोड़ने का विचार है।

इस परियोजना के लाभ

(i) सूखा क्षेत्रों में पेयजल व सिंचाई के पानी की उपलब्धता।

(ii) जलाधिक्य वाले क्षेत्रों से अतिरिक्त जल के स्थानान्तरण के कारण बाढ़ में कमी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) जल परिवहन को बढ़ावा

(iv) जल विद्युत का उत्पादन ~~तथा~~

(v) मत्स्य पालन

विपक्ष में तर्क

(i) भौगोलिक विविधता व उच्चावच के कारण व्यवहार्यता (feasibility) का अभाव।

(ii) लोगों का विस्थापन।

(iii) पारिस्थितिकीय क्षेत्रों का डूबना।

(iv) वित्तीय उपलब्धता की कमी।

इसलिए पक्ष-विपक्ष को ध्यान में रखकर परियोजना दर परियोजना निर्णय लिया जाना चाहिए।

4½

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. 1857 के विद्रोह के बाद भारत के प्रशासन में विशेषतः प्रांतीय प्रशासन, स्थानीय निकायों एवं लोक सेवाओं के क्षेत्र में कौन-से प्रमुख परिवर्तन किये गए थे? (150 शब्द) 10

What were the prominent changes made in the administration of India after the Revolt of 1857 especially in the fields of provincial administration, local bodies and public services? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1857 के बाद 1858 में भारत शासन अधिनियम लाया गया तथा भारत के प्रशासन में अनेक परिवर्तन किए गए।

• भारत सचिव पद का सृजन.
• भारत का शासन ब्रिटिश क्राउन के हाथों में सौंपना

प्रांतीय प्रशासन -

→ कानून बनाने का अधिकार → उदाहरण दें

→ स्वायत्तता दी गई (आंशिक)

स्थानीय निकाय

→ नगरपालिका, नगर निगमों की स्थापना लॉर्ड रिपन के काल में की गई।

→ इन निकायों को कर एकत्रित करने व स्थानिक विवादों का निपटारा करने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

की शान्ति की गई

लोकसेवा

प्रशासनिक सेवाओं का भारतीयकरण

→ प्रतियोगी परीक्षाओं के आधार पर नियुक्तियां की जाने लगी।

→ जनता से कम संपर्क

→ प्रशासन में भारतीयों को शामिल करने की नकारात्मक प्रवृत्ति

महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल करें

1 1/2

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. उपनिवेशवाद के संदर्भ में, पश्चिमी शक्तियों द्वारा एशियाई तथा अफ्रीकी देशों पर आसानी से प्रभुत्व स्थापित करने के पीछे के कारणों को उल्लेखित कीजिये। (150 शब्द) 10

In the context of colonialism, bring out the reasons behind easy domination of Asian and African countries by the Western powers. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ उपनिवेशवाद को परिभाषित करें

एशियाई देशों में कारण

→ अलग-2 शक्तियों द्वारा देश के खण्डों पर शासन।

→ केन्द्रीय शक्ति की संप्रभुता का अभाव।

→ इन देशों के पास आधुनिक हथियारों का अभाव।

→ आधुनिक सेनाओं व नौसेना का अभाव।

→ धार्मिक व नृजातीय विविधताओं के कारण आपसी संघर्ष की परिस्थितियां।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1

अफ्रीकी देशों में कारण

→ शक्ति के अनेक केन्द्रों का होना

→ शिक्षा व जागरूकता का अभाव

→ आधुनिक हथियारों व सेना का अभाव

सभी पक्षों को शामिल करते हुए संतुलित उत्तर लिखें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. भारत में गरीबी का बिंदुपथ (ठिकाना) ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित हो रहा है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The locus of poverty in India is shifting from rural to urban areas. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ शहरी निर्धनता की स्थिति बताएं

शहरी गरीबी के केन्द्र

→ मलिन बस्तियों के कारण सुविधाओं में गिरावट।

→ एक आवास में अनेक परिवारों का निवास।

→ गाँवों में गरीबों का शहरी क्षेत्रों की ओर प्रवास।

→ शहरों में रोजगार (अकुशल) की अच्छी संभावना।

1½

अन्य कारण → अस्वच्छता → मुद्रास्फीति

पूर्ण व संतुलित उत्तर लिखें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. भारत में जाति तथा आर्थिक असमानता के मध्य संबंध स्थापित कीजिये। जाति असमानता के उन्मूलन हेतु अभिकल्पित कुछ नीतिगत उपायों का वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10

Establish the relationship between caste and economic inequality in India. Describe some of the policy measures designed to address caste inequality. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ जाति असमानता → शूद्र जातियों पर व्यवसाय करने पर रोक, केवल उनसे अनार्थिक कार्य ही कराये जाते थे → इसलिए शूद्र जातियाँ गरीब रह जाती है।

→ जाति असमानता → शूद्रों पर जमीन रखने तथा धन एकत्रित करने पर रोक → धन का संकेन्द्रण उच्च जातियों के हाथ में → आर्थिक असमानता

व्यवस्थित रूप में लिखें

उपाय

→ अंतर्जातीय विवाह
→ निम्न जातियों को ऋण सहायता व रोजगार प्रदान करना (~~Stand~~ अप इण्डिया योजना)
→ आरक्षण

Art < 15, 16

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

• सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम
• SC/ST Act

→ मनरेगा।
→ दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण आजीविका मिशन इत्यादि

2/2

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. "भारत को स्मार्ट शहरीकरण की आवश्यकता है।" इस कथन के आलोक में भारत में शहरीकरण से संबंधित मुद्दों और चुनौतियों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

"India needs smart urbanization". In light of this, discuss the issues and challenges associated with urbanization in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में कहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 31% भाग शहरों में निवास करता है जो वर्तमान में तीव्र गति से वृद्धि की ओर है।

स्मार्ट शहरीकरण का तात्पर्य बताएँ

शहरीकरण जहाँ मानव के लिए अवसर लेकर आता है वहीं साथ में अनेक मुद्दे एवं चुनौतियां भी लेकर आता है।

1. भारत में शहरीकरण से संबन्धित मुद्दे एवं चुनौतियां

(i) शहरों की बढ़ती जनसंख्या के कारण भीड़-भाड़ में वृद्धि तथा भूमि पर दबाव में वृद्धि।

(ii) जगह की कमी के कारण आवासों की कीमत में वृद्धि तथा मलिन बस्तियों की समस्या।

(iii) परिवहन के साधनों में वृद्धि के कारण जाम

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में तथा ग्रीन हाउस (GHG) गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि।

(iv) औद्योगिक व परिवहन के साधनों से गैसों के उत्सर्जन के कारण 'शहरी हीटिंग द्वीप' का निर्माण।

(v) औद्योगिक अपशिष्ट, शहरी कचरे तथा सीवेज का प्रबन्धन एक चुनौती होती है।

(vi) रोजगार के अवसरों की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग अपराधों की ओर अग्रसर हो जाते हैं।

(vii) महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि तथा सुरक्षा भावना की कमी

(viii) शहरों में अलगाव की समस्या के कारण मनोवैज्ञानिक समस्याओं को जन्म। इत्यादि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

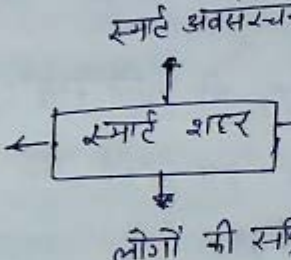

स्पष्ट है कि शहरीकरण ने हमारे सामने अनेक चुनौतियाँ प्रस्तुत की है जिसका समाधान स्मार्ट शहरीकरण के माध्यम से किया जा सकता है। स्मार्ट शहरीकरण का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी जीवन उपलब्ध कराना होता है तथा यह प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित होता है

इसी को देखते हुए भारत सरकार ने स्मार्ट सिटी मिशन, अमृत योजना, हृदय योजना इत्यादि योजनाएं संचालित की है ताकि शहरीकरण की समस्याओं से छुटकारा पाया जा सके। वर्तमान में बजट में 'ईज ऑफ लिविंग' बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है

संबंधित चुनौतियों की चर्चा करें

6½

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. भारत में अंतर्देशीय जल परिवहन की चुनौतियाँ तथा संभावनाएँ क्या हैं? अंतर्देशीय जल परिवहन के प्रोत्साहन हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत कीजिये। (250 शब्द) 15

What are the challenges and prospects of inland water transport in India? Also, enumerate the measures taken by the government to promote inland water transport. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आंतरिक नदियों व जल निकायों में जल परिवहन अंतर्देशीय जल परिवहन कहलाता है। रेलों व सड़कों के विकास के कारण यह परिवहन पिछड़ गया है। परन्तु इसके विकास के माध्यम से अनेक लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

अंतर्देशीय जल परिवहन की चुनौतियाँ:

(i) समानांतर सड़क एवं रेलों के विकास के कारण प्रतिस्पर्धा।

(ii) जल परिवहन के लिए आवश्यक अवसंरचना एवं सुविधाओं का अभाव।

(iii) नदियों द्वारा लायी जाने वाली गाद की समस्या।

(iv) परिवहन के लिए उपयुक्त जल गहराई का अभाव।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संभावनाएं

(i) भारत में नदियों का एक विस्तृत जाल है तथा इसमें बड़ी मात्रा नदियां सदानीरा हैं तथा जल परिवहन के लिए आवश्यक उपयुक्त गहराई भी हैं

(ii) इसके साथ तटीय क्षेत्रों में लैगून भी इसके लिए उपयुक्त हैं जैसे- केरल।

(iii) लंबी दूरी के परिवहन के लिए जल परिवहन सबसे सस्ता एवं कम प्रदूषण - कारी हो सकता है

(iv) रखरखाव का व्यय कम होता है

(v) भारतीयों के पास जल परिवहन का प्राचीन अनुभव है

इन्हीं संभावनाओं को देखते हुए भारत सरकार ने इस क्षेत्र के विकास

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के लिए अनेक कदम उठाएं हैं जिनमें से प्रमुख कदम निम्नलिखित हैं-

(i) जल परिवहन (संशोधन) अधिनियम 2016 के माध्यम से 111 मार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया है तथा इनके संपूर्ण विकास के लिए कदम उठाने की बात कही है।

(ii) विश्व बैंक के सहयोग से राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 1 पर 'जलमार्ग विकास परियोजना' चलाई जा रही है।

(iii) अंतर्देशीय जलपरिवहन विकास प्राधिकरण द्वारा नदी में परिवहन हेतु गहराई मापन हेतु एक एप का विकास किया है।

इसी के साथ केन्द्रीय सड़क कोष का कुछ भाग जलमार्गों के विकास हेतु उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि माल ढुलाई व यात्री परिवहन सस्ता व पर्यावरण हितैषी बनाया जा सके।

• NW-2 ↓ Ro-Ro सेवा
• सागरमाला परियोजना

सराहनीय प्रयास

8

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. प्रथम विश्व युद्ध ने भारत को गहन रूप से वैश्विक घटनाओं से संबद्ध किया, जिसके दूरगामी परिणाम हुए। उचित उदाहरण देकर विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

World War I linked India to global events in profound ways with far reaching consequences. Discuss by giving suitable examples. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रथम विश्व युद्ध 1914 से 1918 के दौरान मित्र राष्ट्रों एवं धुरी राष्ट्रों के मध्य लड़ा गया था। इस दौरान भारत में स्वतंत्रता आंदोलन चल रहा था तथा ब्रिटेन का उपनिवेश होने के कारण भारत भी इस युद्ध से काफी प्रभावित हुआ।

भारत को प्रभावित करने वाली घटनाएं

(i) 1917 में साम्यवादी क्रांति के फलस्वरूप पूँजीवाद का विकल्प प्रस्तुत किया गया। इससे प्रभावित होकर भारत में भी अनेक साम्यवादी संगठनों का उदय हुआ। भारत ने स्वतंत्रता के पश्चात भारतीय संविधान तथा आर्थिक नीतियों में समाजवाद के सिद्धांत का पालन किया जो आज तक भारतीय राजनीतिक व आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कर रही हैं

(ii) युद्ध के दौरान भारतीयों से सहयोग लेने तथा उग्रवादियों को अप्रभावित करने के लिए मॉंटेग्यु चेम्सफोर्ड घोषणा की गई जिसकी परिणति मॉंटेग्यु चेम्सफोर्ड एक्ट, 1919 के रूप में हुई। इसमें भारत में केन्द्र में द्विसदनात्मक व्यवस्था का प्रचलन हुआ जो आज तक भी प्रचलित है।

(iii) बाल्फोर घोषणा - इसमें यहूदियों को उनके मूल स्थान पर बसाने की बात कही गई। इसी के आधार पर 1948 में इजरायल देश की स्थापना हुई तथा इजरायल - फिलीस्तीन तथा इजरायल - अरब विवाद का जन्म हुआ। यह घटना भारत की विदेश नीति को आज भी प्रभावित कर रही

- समानता + एकता की भावना जागृत ↓ राष्ट्रवाद का प्रसार
- भारतीय पूंजीपतियों के लिए उद्योग लगाने के अवसर प्राप्त

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हैं। भारत को आज भी इजरायल व फिलीस्तीन के साथ विदेशी संबन्धों में संतुलन बनाने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

(iv) 1919 की पेरिस की संधि (वर्साय की संधि) के परिणामस्वरूप लीग ऑफ नेशन्स, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन इत्यादि का प्रस्ताव रखा गया जो आज भी भारत को प्रभावित करते हैं।

अतः स्पष्ट है कि प्रथम विश्व युद्ध ने भारत की आंतरिक एवं बाह्य नीति को काफी प्रभावित किया जिसका प्रभाव वर्तमान में भी दिखाई देता है।

4½

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. दक्षिण अफ्रीकी प्रयोग ने महात्मा गांधी को कई परिप्रेक्ष्यों में भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष के नेतृत्व के लिये तैयार किया। विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

The South African experiment prepared Mahatma Gandhi for leadership of the Indian national struggle in many respects. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

महात्मा गांधी 1893 ई. में दक्षिण अफ्रीका में वकालत करने गये थे परन्तु वहाँ ट्रेन धक्का प्रथा एशियाई लोगों के खिलाफ भेदभाव के परिदृश्य ने गांधीजी के जीवन को बदलकर रख दिया। आगे चलकर इसी व्यक्तित्व ने भारत की आजादी में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

दक्षिण अफ्रीका में व्याप्त रंगभेद की नीति का उन्होंने विरोध किया जिसमें उन्होंने कानूनी उपायों व सत्याग्रह का प्रयोग किया। बाद में ये सभी उपाय गांधीजी ने भारत में राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अपनाये थे।

दक्षिणी अफ्रीका में एशियाई

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लोगों को अपना पहचान पत्र गले में लटकाकर चलना पड़ता था। गांधीजी ने इसका विरोध किया तथा लंबी अदालती लड़ाई के माध्यम से इस कानून को निरस्त करवाने में सफल रहे। ऐसा प्रयोग ही गांधीजी ने चंपारण सत्याग्रह के दौरान किया था, जहाँ गांधीजी ने कानूनी लड़ाई के माध्यम से ही किसानों का हक दिलाया था।

इसी के साथ ही दक्षिण अफ्रीका में व्याप्त अन्य शोषणों व भेदभावों का विरोध करने के लिए गांधीजी ने सत्याग्रह और अहिंसा जैसे हथियारों का ही सहारा लिया था। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान ये दोनों हथियार ही गांधीजी के

अन्य प्रयोग
- जनता की ताकत
- याचिकाएँ
- सविनय अवज्ञा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रमुख व अचूक हथियार बने जो जीवन भर उनके साथ रहे।

गांधीजी ने सत्याग्रहियों के सहयोग व चिंतन-मनन के लिए टालस्टॉय एवं फीनिक्स फार्मों की स्थापना की थी। भारत में गांधीजी ने अहमदाबाद में साबरमती आश्रम के माध्यम से इस प्रयोग को दोहराया।

अतः कहा जा सकता है दक्षिण अफ्रीका में मौजूद अनेक परिस्थितियों ने गांधीजी के व्यक्तित्व का विकास कर उनमें नेतृत्वक्षमता के गुण का समावेश किया, जिससे वे भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के लिए तैयार हो सके।

6/2

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. "ब्रिटिश सरकार द्वारा समय-समय पर प्रस्तावित संवैधानिक सुधार हमेशा अधूरे व अत्यधिक देरी से होते थे।" विशेष रूप से मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों के संबंध में विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

"Constitutional reforms introduced by the British government from time to time were always too little and too late". Discuss with special reference to Montagu-Chelmsford reforms. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

औपनिवेशिक ब्रिटिश सरकार ने पहले तो कंपनी के विनियमन के लिए तथा बाद में भारतीयों की मांगों की संतुष्टि तथा उनके विरोध को दबाने के लिए समय-समय पर अनेक सुधार किए। इनमें से प्रमुख निम्नलिखित हैं—

(i) ~~इनमें~~ रेग्युलेटिंग एक्ट 1773;

(ii) चार्टर एक्ट 1793, 1813, 1833, 1853

(iii) भारत सरकार अधिनियम, 1858

(iv) भारत परिषद अधिनियम, 1861, 1893

(v) मार्ले-मिंटो रिफॉर्म, 1909 तथा मॉन्टेग्यु-चेम्सफोर्ड सुधार, 1919

(v) भारत सरकार अधिनियम, 1935

परन्तु ये सभी सुधार भारतीयों की मांगों को पूर्णतया संतुष्ट नहीं करते थे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जैसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपनी स्थापना के बाद जब शासन में भारतीयों की भागीदारी की बात की तो ब्रिटिश सरकार ने भारत परिषद अधिनियम, 1892 में केवल सांकेतिक भागीदारी और वह भी बिना मताधिकार के, प्रदान की।

इसी के साथ-साथ मॉंटेग्यु चेम्सफोर्ड सुधार में भारतीयों को सरकार में प्रतिनिधित्व दिया परन्तु गवर्नर जनरल को असाधारण शक्ति प्रदान कर भारतीयों के स्वशासन की मांग को पूरा करने में असफल रहे। इसी के साथ द्वैध शासन की स्थापना कर व पृथक निर्वाचन मण्डल की व्यवस्था कर भारतीयों में फूट डालने का भी प्रयास किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसी के साथ नहीं भारतीय 1906 से स्वशासन की माँग कर रहे थे उसको ब्रिटिश सरकार 1919 के अधिनियम में भी पूर्णतया: पूरा नहीं दे सकी। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारतीयों की माँग के काफी देर बाद ये सुधार किए जाते थे वो भी ~~जब~~ अत्यधिक दबाव आने पर।

ब्रिटिश सरकार का उद्देश्य कभी भी भारतीयों का हित करना नहीं रहा था। वह केवल अपने औपनिवेशिक हितों की रक्षा करती थी इसलिए कोई भी सुधार काफी देर से व अपूर्ण होता था।

Good

7

अल्प प्रावधान
- सीमित मताधिकार
- पृथक निर्वाचन का विस्तार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. फासीवादी शक्तियों के तुष्टिकरण की पश्चिमी नीति द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बनी। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Western policy of appeasement of the fascist powers caused the Second World War. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

तुष्टीकरण की नीति क्या है? बताइ

प्रथम विश्व युद्ध के बाद यूरोप में फासीवादी शक्तियों का जन्म हुआ। इटली में यह मुसोलिनी के नेतृत्व में फल-फूल रही थी। इसका जन्म मुख्यतः यूरोप को साम्यवादी विचारधारा से बचाने के लिए हुआ था।

फासीवादियों की प्रमुख विशेषताएं

(i) यह अधिनायकवादी विचारधारा थी।

(ii) लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में इनका विश्वास नहीं था।

(iii) साम्यवादी विचारधारा के विरोधी थे।

(iv) अपने हितों की पूर्ति के लिए हिंसा को भी उचित ठहराते थे।

यह विचारधारा धीरे-धीरे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रबल होती गई परन्तु पाश्चिमी यूरोपीय शक्तियों ने इनका साथ दिया क्योंकि उनका मानना था कि ये साम्यवादी विचारधारा का विरोध कर रहे हैं तथा रूस के विस्तार को रोक रहे हैं।

इसलिए जब भी फासीवादी कोई गलत कदम उठाते थे तो पाश्चिमी शक्तियों द्वारा उनको नजरअंदाज कर दिया जाता था। स्पेन के तानाशाह का समर्थन मुसोलिनी द्वारा किया गया तो भी ब्रिटेन व फ्रांस ने उसको नजरअंदाज कर दिया।

उदाहरण द्वारा बताएं

मुसोलिनी निरंतर हथियारों को एकत्रित कर रहा था और अपने आसपास के क्षेत्रों पर आधिपत्य जमाना भी प्रारंभ कर दिया था।

मुसोलिनी ने हिटलर का भी समर्थन किया तथा यहूदियों के नरसंहार को भी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मेदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उचित ठहराया। बाद में जब ये शक्तियां अनियंत्रित होती चली गई जिसकी परिणति द्वितीय विश्व युद्ध के रूप में हुई।

यदि प्रारंभ में ही इन शक्तियों के अलोकतांत्रिक व दुर्भावनापूर्ण कार्यों को नियंत्रित कर दिया जाता तथा उनका दुरुपयोग न होता तो द्वितीय विश्वयुद्ध शायद न होता। हालांकि इस युद्ध के और भी कई कारण थे।

6½

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. राज्यों के भाषाई पुनर्निर्माण ने भारत की एकता को गंभीर रूप से कमजोर किये बिना इसके राजनीतिक मानचित्र को तर्कसंगत रूप प्रदान किया। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The linguistic reorganization of states resulted in rationalizing the political map of India without seriously weakening its unity. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

अनावश्यक

भारत में 1920 ई. में कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में प्रांतीय कांग्रेस कमिटियों को भाषा के आधार पर संगठित करने का प्रस्ताव रखा गया। यहीं से भारत में भाषा के आधार पर राज्यों की मांग का उद्भव माना जाता है।

होमरूल लीग + नेहरू रिपोर्ट की चर्चा करें

1956 के राज्य पुनर्गठन अधिनियम में भाषा को भी नये राज्य के निर्माण के एक आधार के रूप में स्वीकार किया गया। इसके बाद गुजरात, पंजाब व हरियाणा इत्यादि राज्यों का निर्माण भाषा के आधार पर हुआ।

अनेक विद्वानों का मानना है कि राज्यों के भाषाई पुनर्निर्माण ने भारत की एकता को कमजोर किए बिना इसके राजनीतिक मानचित्र को तर्कसंगत रूप प्रदान किया है। इसके पक्ष

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में निम्नलिखित तर्क दिए जाते हैं-

(i) भाषाई आधार पर राज्य निर्माण से प्रशासनिक कार्यकारी संचालन में आसानी रहती है।

(ii) इससे क्षेत्रीय भाषाओं का समुचित विकास होता है।

(iii) भारत में अनेक भाषायी प्रदेश राज्य के रूप में गठित होने के लिए व्यवहार्य (feasible) हैं।

(iv) इससे भाषायी अंतर्विरोधों में कमी आती है तथा संस्कृति का समुचित विकास होता है।

(v) भाषा का संबंध अस्मिता से भी होता है अतः भाषायी राज्य के निर्माण से लोगों की अस्मिता की रक्षा होती है।

परन्तु अनेक विद्वानों द्वारा

• प्रशासन में स्थानीय लोगों की भागीदारी में वृद्धि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसे भारत की एकता व अखंडता के लिए खतरा मानते हुए इसके विपक्ष में निम्नलिखित तर्क दिए जाते हैं:-

(i) भारत में सैकड़ों भाषाएं बोली जाती हैं। अगर ऐसे ही भाषायी आधार पर राज्यों का निर्माण किया जाया तो भारत के सैकड़ों खण्ड हो सकते हैं जो भारत की अखंडता के लिए खतरा साबित हो सकते हैं।

(ii) ऐसी मांगों की शुरुआत से आगे भी ऐसी मांग के लिए आंदोलन होते रहते हैं जैसे गोरखालैंड की मांग इत्यादि

क्षेत्रवाद + जातिवाद + भाषायी रूढ़ीवादिता में है

अतः सर्वोत्तम यह होगा कि राज्य के पुनर्निर्माण के समय भाषा के साथ-साथ प्रशासनिक सुगमता, भारत की एकता व अखंडता, विकास good इत्यादि तत्वों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

प्रयास अच्छा है

-6½

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. यदि निजी क्षेत्र को शुरुआत से ही एक स्वतंत्र भागीदारी की अनुमति प्रदान की जाती, तो भारत अधिक बेहतर विकास कर सकता था। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Had private sector been allowed a free play right from the beginning, India could have developed much better. Critically analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत ने स्वतंत्रता के पश्चात् मिश्रित अर्थव्यवस्था के सिद्धांत को स्वीकार किया। इसमें सार्वजनिक क्षेत्र मुख्य भूमिका में था जबकि निजी क्षेत्र इसके सहयोगी व पूरक के रूप में उपस्थित था।

परन्तु कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि भारत में प्रारंभ से ही निजी क्षेत्र को मुख्य भूमिका दी जाती तो आज भारत ज्यादा विकसित होता। इसके पीछे उनके द्वारा निम्नलिखित तर्क दिए जाते हैं—

(i) निजी क्षेत्र में व्यवसायिक दक्षता व मितव्ययिता पाई जाती है।

(ii) निजी क्षेत्र के नवाचारों पर बल देकर कम लागत पर अधिक उत्पादन देने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में सक्षम होता है।

(iii) निजी क्षेत्र बाजार व्यवस्था पर आधारित मांग-आपूर्ति सिद्धांत पर कार्य करता है। इसलिए उसी चीज का उत्पादन किया जाता है जो मांग में हो तथा लाभ देने वाली हो

(iv) सार्वजनिक क्षेत्र अपनी अपेक्षित भूमिका अदा नहीं कर पाया था। इससे 1980 तक भारत को संवृद्धि दर को 'हिन्दू ग्रोथ रेट' की संज्ञा दी जाती है जो केवल 2-3% ही रही। इसके पीछे सार्वजनिक क्षेत्र की अक्षमता, भ्रष्टाचार व अलाभकारी उत्पादन को माना जाता है। इसके स्थान पर यदि निजी क्षेत्र होता तो विकास दर अच्छी होती।

परन्तु दूसरे पक्ष का मानना है कि अनेक कारणों से उस समय निजी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

क्षेत्र को स्वतंत्र भूमिका नहीं दी जा सकती थी। ये कारण थे :-

(i) निजी क्षेत्र के पास पूंजी का अभाव।

(ii) आधारभूत संरचना व उद्योगों का अभाव।

(iii) भारत के गरीब वर्ग के विकास की प्राथमिकता तथा भूख व अशिक्षा को मिटाने का लक्ष्य केवल सार्वजनिक क्षेत्र के द्वारा ही संभव था। गरीब लोगों के पास मांग सृजित करने की क्षमता नहीं होती।

• पूंजीवाद का लोभ
• व्यापक असमानता भाव

इसलिए निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि समकालीन परिस्थितियों को देखते हुए मिश्रित अर्थव्यवस्था के सिद्धांत को अपनाना सही प्रतीत होता है।

सराहनीय प्रयास

7½

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. वैश्वीकरण ने राज्यों की भूमिका को परिवर्तित किया है। विकासशील देशों के संबंध में इसके प्रभावों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Globalisation has changed the role of State. Critically evaluate its impact in the context of developing countries. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वस्तु, सेवाओं, संस्कृति, व्यक्तियों, विचारों इत्यादि के निर्बाध वैश्विक आदान-प्रदान को वैश्वीकरण की संज्ञा दी जाती है यह स्मिथ के 'लैसेज फेयर' के सिद्धांत पर आधारित होता है

विकासशील देशों को भी वैश्वीकरण ने सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों रूपों में प्रभावित किया तथा परंपरागत राज्य की भूमिका जो कि संरक्षणकर्ता व विनियामक की होती थी उसको परिवर्तित कर ~~सुविधाप्रदायक~~ सुविधाप्रदाता की भूमिका कर दी है

राज्यों के सामाजिक + आर्थिक + राजनीतिक भूमिका में परिवर्तन को बताएँ

विकासशील देशों पर सकारात्मक प्रभाव-

(i) विदेशी निवेश के कारण पूंजी की कमी का समाधान हुआ है जिससे आर्थिक विकास को गति मिली है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) प्रौद्योगिकी आगमन → उत्पादकता में वृद्धि।

(iii) विकासशील देशों के उत्पादों को बाजारों की प्राप्ति।

(iv) यहां के कुशल श्रमिकों को रोजगार प्राप्त हुआ (जैसे अमेरिका में)

(v) भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार हुआ है।

नकारात्मक प्रभाव :-

(i) विकसित देशों द्वारा खाद्य सब्सिडी खत्म करने के दबाव के कारण खाद्य संकट व कृषि विकास पर संकट।

(ii) मुक्त व्यापार के कारण घरेलू उद्योगों को नुकसान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) विकसित देशों द्वारा उत्पन्न किए गए नकारात्मक जलवायु प्रभावों का विकासशील देशों पर नकारात्मक प्रभाव।

(iv) इंटरनेट के कारण साइबर सुरक्षा का खतरा तथा आतंकवाद की चुनौती → आंतरिक सुरक्षा पर संकट

आर्थिक असमानता में वृद्धि

(v) विकसित देशों द्वारा अपना 'e-वेस्ट' व खतरनाक अपशिष्ट पदार्थों का विकासशील देशों में डंपिंग।

अतः कहा जा सकता है कि वैश्वीकरण के कारण किसी देश के सभी आंतरिक व बाह्य मुद्दे विश्व के अन्य भागों से प्रभावित होने हैं तथा राज्य अकेला निर्णय नहीं ले सकता, उस पर बाह्य शक्तियों का भी प्रभाव होता है अतः राज्य की भूमिका में काफी गिरावट देखने को मिलती है।

85

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. लैंगिक न्याय उतना ही महत्त्वपूर्ण है जितनी की धार्मिक स्वतंत्रता। भारत की हाल की गतिविधियों के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Gender justice is as important as religious freedom. Analyse in the context of recent developments in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हाल ही में केरल के सबरीमाला में महिलाओं के मंदिर प्रवेश मुद्दे पर लैंगिक न्याय एवं धार्मिक स्वतंत्रता के सिद्धांतों के बीच विवाद देखने को मिला।

अनेक विद्वानों का मानना था कि मन्दिर में महिलाओं को प्रवेश नहीं मिलना चाहिए। क्योंकि इस प्रथा का संबन्ध धर्म से है तथा संविधान के अनुच्छेद 25 से लेकर 28 में धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है तथा उसकी रक्षा होनी चाहिए।

परन्तु दूसरे पक्ष का मानना था कि यह प्रथा महिलाओं के विरुद्ध है तथा उनके समानता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है। इसे विद्वानों ने जीवन के अधिकार तथा स्वतंत्रता के अधिकार से भी

Art 14, 15

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अभ्यर्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जोसफ देखा और कहा कि ऐसी प्रथाएं जो किसी लिंग विशेष से भेदभाव करती हैं समाप्त होनी चाहिए।

इसी प्रकार का विवाद तीन तलाक के मुद्दे पर भी देखा गया जहाँ एक पक्ष धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर तीन तलाक का समर्थक था तो वही दूसरा पक्ष महिलाओं के गरिमापूर्ण जीवन एवं मानवाधिकारों को प्राथमिकता देने की वकालत कर रहा था।

इतिहास में भी ऐसे विवाद देखने को मिलते हैं जैसे सती प्रथा विवाद, हिन्दू कोड बिल विवाद इत्यादि।

परन्तु यह विवाद हमेशा बना रहता है कि लैंगिक न्याय ज्यादा महत्वपूर्ण है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

या धार्मिक स्वतंत्रता। तो यह कहा जा सकता है धार्मिक मान्यताएं, जहाँ तक किसी व्यक्ति के मानवाधिकार एवं गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार का उल्लंघन नहीं करती, सही ठहरायी जा सकती हैं परन्तु यदि वे उसका उल्लंघन करती हैं तो समय के साथ परिवर्तित होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने भी इन विवादों में लैंगिक न्याय का पक्ष लेते हुए कहा कि लैंगिक न्याय व धार्मिक स्वतंत्रता में संतुलन बनाने की आवश्यकता है। इसी परिस्थिति के अनुसार निर्णय लिया जाना चाहिए क्योंकि लैंगिक न्याय भी धार्मिक स्वतंत्रता की तरह महत्त्वपूर्ण है।

प्रयास अच्छा है।

6½

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation